वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम .ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-06 कथा साहित्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड-स : निबन्धात्मक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए :-

1. विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गयी उपन्यास की परिभाषाओं की समीक्षा करते हुए इसकी समीचीन परिभाषा दीजिए।
2. उपन्यास कितने प्रकार के होते हैं? वर्गीकरण के आधारों पर तथा उपन्यास के प्रकारों का विश्लेषण कीजिए।
3. आंचलिक उपन्यास की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
4. सिद्ध कीजिए कि श्रीलाल शुक्ल का 'राग दरबारी' ग्रामीण जीवन का सफल उपन्यास है।
5. हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचन्द के योगदान को रेखांकित कीजिए?
6. हिन्दी में ग्रामीण जीवन से सम्बद्ध उपन्यासों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
7. हिन्दी उपन्यासों में भारत की साम्प्रदायिक समस्या के निरूपण पर निबन्ध लिखिए।
8. 'मुझे चाँद चाहिए' उपन्यास के वैशिष्ट्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
9. हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचन्द के योगदान को रेखांकित कीजिए।
10. '' 'गोदान' हिन्दी में कृषक जीवन का महाकाव्य है'', सिद्ध कीजिए।
11. प्रेमचन्द के उपन्यासों की भाषा पर निबन्ध लिखिए।
12. उपन्यास और साहित्य के विषय में प्रेमचन्द के विचारों की समीक्षा कीजिए।
13. सिद्ध कीजिए कि प्रेमचन्द का 'गोदान' एक कालजयी उपन्यास है?
14. औपन्यासिक रचना-विधान की दृष्टि से गोदान की समीक्षा कीजिए।
15. 'गोदान' को भारतीय कृषक जीवन का महाकाव्य क्यों कहा गया है?
16. ''होरी भारतीय किसान का सच्चा प्रतिनिधि है।'' इस कथन के आधार पर होरी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
17. '' 'गोदान' के कथानक में भारतीय जीवन की विविध समस्याओं का चित्रण हुआ है'', सिद्ध कीजिए।
18. '' 'गोदान' में प्रेमचन्द ने जिस ढंग से कथानक को बुना है उसमें जीवन का दबाव कलात्मकता को प्रभावी बनाता है'', इस कथन के आधार पर 'गोदान' के कथानक की समीक्षा कीजिए।
19. 'गोदान' में प्रेमचन्द ने किन समानान्तर जीवन-शैलियों का वर्णन किया है?
20. ''प्रेमचन्द की पहली और आखिरी प्रतिबद्धता मानव और उसके जीवन के प्रति थी'', इस कथन के आधार पर 'गोदान' के कथानक की समीक्षा कीजिए।
21. अज्ञेय की औपन्यासिक दृष्टि के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

22. अज्ञेय ने हिन्दी उपन्यास के विकास को क्या दिशा प्रदान की?
23. अज्ञेय ने उपन्यास के क्षेत्र में जो नये प्रयोग किए, उनकी समीक्षा कीजिए।
24. अज्ञेय की औपन्यासिक कला के महत्व पर निबन्ध लिखिए।
25. एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास की दृष्टि से 'शेखर : एक जीवनी' की समीक्षा कीजिए।
26. 'शेखर : एक जीवनी' का नायक कौन है? उसका चरित्र चित्रण कीजिए।
27. शिल्प की दृष्टि से 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए।
28. हिन्दी उपन्यास के विकास में 'शेखर : एक जीवनी' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
29. सिद्ध कीजिए कि 'शेखर : एक जीवनी' एक सफल मनोवैज्ञानिक उपन्यास है।
30. शेखर के नायकत्व पर विचार करते हुए उसके संघर्ष के आयामों को रेखांकित कीजिए।
31. 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास की शैलीगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
32. एक सशक्त औपन्यासिक कृति के रूप में 'शेखर : एक जीवनी' की समीक्षा कीजिए।
33. कृष्णा सोबती के उपन्यासों का परिचय दीजिए।
34. कृष्णा सोबती के उपन्यासों की कथ्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
35. कृष्णा सोबती ने अपने उपन्यासों में किन सामाजिक समस्याओं को उठाया है?
36. ''कृष्णा सोबती के उपन्यास बोल्ड और बेबाक है'' कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
37. 'समय सरगम' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।
38. आरण्या और ईशान के चरित्रों की तुलना कीजिए।
39. 'समय सरगम' उपन्यास की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
40. औपन्यासिक कृति की रूप में 'समय सरगम' की समीक्षा कीजिए।
41. 'समय सरगम' के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।
42. ''जीवन जीना भी एक कला है।'' कृष्णा सोबती ने इस कथन की पुष्टि आरण्या और ईशान के चरित्रों से कैसे की है?
43. 'समय सरगम' के शिल्प विधान पर निबन्ध लिखिए।
44. 'समय सरगम' की एक सफ औपन्यासिक कृति के रूप में समीक्षा कीजिए।
45. कहानी क्या है? कहानी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
46. कहानी रचना के प्रमुख तत्त्व क्या हैं?
47. कहानी कितने प्रकार की होती है? स्पष्ट कीजिए।
48. कहानी और विभिन्न विधाओं का क्या सम्बन्ध है?
49. विश्व में कहानी का विकास किस प्रकार हुआ?
50. जैनेन्द्र ने हिन्दी कहानी के विकास में क्या योगदान दिया?
51. नयी कहानी की उपलब्धियों और सीमाओं का रेखांकन कीजिए।
52. हिन्दी कहानी के विकास के विभिन्न सोपानों पर निबन्ध लिखिए।
53. प्रेमचन्द ने 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में किस परिवेश को जीवंत किया है? स्पष्ट कीजिए।
54. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की तात्त्विक विवेचना कीजिए।
55. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शिल्प विधान पर निबन्ध लिखिए।
56. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के आधार पर प्रेमचन्द की कहानी कला का विश्लेषण कीजिए।
57. जयशंकर प्रसाद की कहानी कला पर निबन्ध लिखिए।
58. 'मधुआ' कहानी की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।

59. 'मधुआ' कहानी में प्रसाद ने किस सत्य का उद्घाटन किया है?
60. शराबी का चरित्र चित्रण कीजिए।
61. जैनेन्द्र की कहानी कला पर निबंध लिखिए।
62. 'जैनेन्द्र अपनी कहानियों के कथानक में घटनाओं के स्थान पर पात्रों की मन:स्थितियों को अधिक महत्त्व देते हैं।' 'पत्नी' कहानी के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।
63. 'पत्नी' कहानी की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
64. 'पत्नी' कहानी की तात्विक विवेचना कीजिए।
65. 'जिन्दगी और जोंक' कहानी की समीक्षा कीजिए।
66. 'जिन्दगी और जोंक' कहानी के आधार पर अमरकान्त की कहानी कला पर निबंध लिखिए।
67. 'लेकिन जोंक वह था या जिन्दगी?' प्रश्न के आधार पर 'जिन्दगी और जोंक' कहानी की संवेदना स्पष्ट कीजिए।
68. 'जिन्दगी और जोंक' कहानी के शिल्पविधान का विवेचन कीजिए।
69. 'पिता' कहानी के कथ्य को अपने शब्दों में लिखिए।
70. सिद्ध कीजिए कि पिता-पुत्र के बदलते संबंधों को 'पिता' कहानी निस्संगता से अभिव्यक्त करती है?
71. 'पिता' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।
72. सिद्ध कीजिए कि 'पिता' कहानी अपने शिल्प में एक विचित्र कहानी है?
73. 'टूटना' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।
74. सिद्ध कीजिए कि राजेन्द्र यादव की 'टूटना' कहानी स्त्री-पुरुष के बदलाव की कहानी है?
75. किशोर और लीना के चरित्रों की तुलना कीजिए।
76. 'टूटना' कहानी के शिल्पविधान के वैशिष्ट्य पर निबंध लिखिए।
77. उषा प्रियंवदा की कहानी कला पर निबंध लिखिए।
78. सुबोध और वृंदा के चरित्रों की तुलना कीजिए।
79. 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी की समीक्षा कीजिए।
80. 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी के शिल्पविधान पर निबंध लिखिए।
81. कृष्ण बलदेव वैद की कहानी कला पर प्रकाश डालिए।
82. 'मेरा दुश्मन' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
83. 'मेरा दुश्मन' कहानी की समीक्षा कीजिए।
84. 'मेरा दुश्मन' कहानी की माला का चरित्र-चित्रण कीजिए।
85. कृष्णा सोबती की महानी कला पर निबंध लिखिए।
86. 'सिक्का बदल गया' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।
87. 'सिक्का बदल गया' कहानी की भाषा शैली की व्याख्या कीजिए।
88. 'सिक्का बदल गया' की शाहनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।